हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 25 अगस्त 2025

11 स्टेट हॉकी चैंपियनशिप रद करने की सिफारिश ...

12 सावन की कसर भादो में हुई पूरी, 20 दिन बाद फतेहाबाद में...

खबर संक्षेप

वेदपाल होंगे सीआईए फतेहाबाद के इंचार्ज

फतेहाबाद। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने जिले में सीआईए टीम में बड़ा बदलाव किया है। सीआईए रतिया के इंचार्ज वेदपाल को अब जिला मुख्यालय पर लाया गया है। उन्हें सीआईए फतेहाबाद के इंचार्ज की जिम्मेदारी दी गई है। बता दें कि वेदपाल नशा तस्करों की धरपकड़ को लेकर बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। उनकी टीम ने हाल ही में एक किलो हेरोइन पकड़ी थी। इसके अलावा कई बेहतर काम किए हैं। एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ में रहते हुए भी काफी कार्रवाई करते हुए आरोपी पकड़े।

नशीली गोलियों सहित एक युवक को दबोचा

फतेहाबाद। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रतिया पुलिस ने एक आरोपी को नशीली गोलियों सहित गिरफ्तार किया है। थाना शहर रतिया प्रभारी रणजीत सिंह ने बताया कि पुलिस टीम रूटीन गश्त पर थी। इस दौरान एक व्यक्ति संदिग्ध हालात में घूमता दिखाई दिया, जिसे शक के आधार पर चेक किया गया। जांच के दौरान आरोपी के कब्जे से 10 नशीली गोलियां बरामद की गई। आरोपी की पहचान संजय सिंह उर्फ संजू पुत्र जरनैल सिंह, निवासी गांव मेहमड़ा, तहसील रतिया, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार घायल

फतेहाबाद। गांव दहमन के पास एक ट्रैक्टर की टक्कर से बाईक सवार किसान घायल हो गया। घायल व्यक्ति को उपचार के लिए हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में भूना पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव चौबारा निवासी रामकुमार ने कहा है कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। गत दिवस वह रात को अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव दहमान से अपनी खेत ढाणी जा रहा था। रास्ते में गांव मोची की तरफ से आ रहे एक ट्रैक्टर चालक ने ट्रैक्टर-ट्राली को लापरवाही व तेजगति से चलाया और उसके मोटरसाइकिल में टक्कर दे मारी।

गुरदीप सिंह बने श्री दुर्गा नाटक क्लब के प्रधान

ओढां। श्री दुर्गा नाटक क्लब ओढ़ा की एक बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से गुरदीप सिंह उर्फ दीपा को प्रधान चुना गया। जानकारी देते हुए क्लब के सदस्य जसपाल सिंह तगड़ ने बताया कि मीटिंग में नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। जिसमें गुरदीप सिंह उर्फ दीपा को सर्वसम्मति के साथ प्रधान, राजेंद्र कुमार को उपप्रधान, कृष्ण कुमार को सेक्रेटरी एवं जुगनी तुर्किया को कोषाध्यक्ष पद के लिए चुना गया। समिति के गठन के साथ ही आगामी रामलीला हेतु सभी पात्रों द्वारा रिहर्सल शुरू कर दी गई। इस अवसर पर नवनियुक्त प्रधान गुरदीप सिंह ने बताया कि इस वर्ष होने वाली रामलीला का मंचन 20 सितंबर को बाला जी की चौकी से शुरू किया जाएगा।

पुलिस की दो टूक : अब पोस्ट से पहले सोचें, वरना सीधे होगी सख्त कार्रवाई

30 आपराधिक अकाउंट्स व 85 फॉलोअर्स पर आईटी एक्ट के तहत की कार्रवाई

■ भड़काऊ गतिविधि पर तुरंत की जाएगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

सोशल मीडिया पर अपराध फैलाने वालों के खिलाफ फतेहाबाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए 30 आपराधिक प्रवृत्ति के सोशल मीडिया अकाउंट्स और उनके 85 फॉलोअर्स के विरुद्ध आईटी एक्ट की धारा 79(बी) के तहत मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के निर्देश पर गठित डिजिटल निगरानी टीम प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार द्वारा की गई है। टीम ने ऐसे अकाउंट्स को चिह्नित किया, जो लगातार आपत्तिजनक, भड़काऊ और समाज विरोधी पोस्ट कर रहे थे। साथ ही उनके फॉलोअर्स भी इस प्रकार की सामग्री को लाइक, शेयर या प्रमोट कर रहे थे।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पुलिस की नजर

जिला पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह कोई एक बार की कार्रवाई नहीं, बल्कि एक लगातार चलने वाला अभियान है। आगे भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पैनी नजर रखी जाएगी और किसी भी तरह की अवैध, भड़काऊ या आपत्तिजनक गतिविधि पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया का उपयोग संयम और विवेक के साथ करें। किसी भी आपत्तिजनक गतिविधि, फर्जी अकाउंट या भड़काऊ सामग्री की जानकारी तुरंत नजदीकी थाना या साइबर सेल को दें।

आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों की खैर नहीं

एसपी सिद्धांत जैन ने बताया कि कुछ यूजर्स द्वारा फर्जी खबरें, धमकी भरे बयान, अफवाहें और वैमनस्य फैलाने वाले कंटेंट सोशल मीडिया पर डाले जा रहे थे। उन्होंने दो टूक कहा कि कानून का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सोशल मीडिया की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं कि कोई व्यक्ति समाज की गरिमा और सौहार्द को ठेस पहुंचाए। कानून सभी पर समान रूप से लागू है।

आईटी एक्ट की धारा 79(बी) में क्या है प्रावधान

आईटी एक्ट की धारा 79(बी) के तहत यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया या इंटरनेट का दुरुपयोग करते हुए अपराध करता है या उसे बढ़ावा देता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। इसमें सिर्फ पोस्ट करने वाला ही नहीं, बल्कि उस पोस्ट को लाइक, शेयर या कमेंट के ज़रिए प्रमोट करने वाला भी दोषी माना जाता है। एसपी जैन ने सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं, विशेषकर युवाओं से सोच-समझकर और जिम्मेदारी से व्यवहार करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी भ्रामक, विवादित या समाज को बांटने वाली सामग्री को आगे न बढ़ाएं। सोशल मीडिया पर भी वही कानून लागू हैं, जो समाज में। पोस्ट से पहले सोचें, बाद में पछताना न पड़े।

नशे में वाहन चलाने पर 90 चालकों पर पुलिस की कार्रवाई

■ पुलिस ने संवेदनशील स्थलों पर चलाया सघन जांच अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

सडक़ सुरक्षा को लेकर फतेहाबाद पुलिस ने बड़ी सख्ती दिखाई है। जिले में नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान के तहत यातायात पुलिस ने 90 लापरवाह चालकों को कानून के शिकंजे में लिया है। यह अभियान पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के निर्देशन में 10 अगस्त से शुरू हुआ था। यातायात प्रभारी उपनिरीक्षक जयसिंह ने बताया कि अभियान के दौरान यातायात पुलिस द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों, राष्ट्रीय राजमार्गों एवं संवेदनशील स्थलों पर सघन जांच अभियान चलाया गया। ब्रेथ एनालाइजर और अन्य आधुनिक उपकरणों की मदद से संदिग्ध चालकों की मौके पर ही जांच की गई, जिनमें 90 चालक नशे की हालत में वाहन चलाते पाए गए।

फतेहाबाद। वाहन चालकों की चैकिंग करते ट्रेफिक पुलिस कर्मचारी।

डबवाली में सीएम ने यूथ मैराथन को दिखाई हरी झंडी, मिलकर नशे पर प्रहार करने की अपील की

सीएम ने दौड़ लगाकर युवाओं का हौसला बढ़ाया

10 और 5 किमी की दौड़ में यूवाओं ने किया प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ डबवाली

हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत रविवार को सिरसा के डबवाली में यूथ मैराथन आयोजित की गई। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यूथ मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन में भारी संख्या में क्षेत्र के नागरिकों विशेषकर युवाओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया। मुख्यमंत्री ने स्वयं भी यूथ मैराथन के दौरान दौड़ लगाकर युवाओं को प्रोत्साहित किया। अलसुबह पांच बजे हाफ मैराथन से कार्यक्रम का आगाज हुआ। इसके उपरांत 10 किलोमीटर और पांच किलोमीटर की मैराथन आयोजित की गई, जिसमें युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जो समाज को खोखला करने के साथ-साथ हमारे भविष्य को भी निगल जाती है। मां-बाप के सपने बिखर जाते हैं। इसलिए नशे का जड़-मूल से नाश करने के लिए केंद्र व हरियाणा सरकार ने नशा मुक्त अभियान को जन आंदोलन बनाया है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की ओर से फिट इंडिया मूवमेंट जैसा महत्वाकांक्षी अभियान चलाया गया है, वहीं हरियाणा में भी राहगिरी, साइक्लोथॉन, मैराथन तथा धाकड़ जैसे अनूठे कार्यक्रम शुरू करके नशे पर कड़ा प्रहार किया है। हरियाणा उदय कार्यक्रम अब तक का सबसे बड़ा आउटरीच कार्यक्रम है। युवाओं के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने के लिए अब तक प्रदेश भर में 2482 कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों में 16 लाख 50 हजार से अधिक लोगों ने भागीदारी की है। नशे के खात्मे के लिए एंटी नारकोटिक्स सेल के माध्यम से बड़े नशा सप्लायरों पर कड़ा प्रहार किया जा रहा है।

सिरसा। यूथ मैराथन को झंडी दिखाते सीएम नायब सिंह सैनी।

ड्रग फ्री हरियाणा की शपथ दिलवाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा नशे की जद में आ चुके युवाओं को नशे की लत से निजात दिलाने के लिए कई कार्यक्रम शुरु किए गए हैं। प्रदेश में 162 नशा मुक्ति केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भी नशा मुक्ति वार्ड स्थापित किए गए हैं, इसके अलावा 13 जिलों के नागरिक अस्पतालों में नशा मुक्ति केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन सभी प्रयासों के फलस्वरूप अभी तक 3350 गांव और शहरों के 876 वार्ड को नशा मुक्त घोषित किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने उपस्थित जनसमूह को ड्रग फ्री हरियाणा की शपथ भी दिलवाई। इस दौरान यूथ मैराथन में क्षेत्र के 35 से अधिक सरपंचों ने भी भागीदारी की और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान देसी रॉक स्टार के नाम से मशहूर गायक एमडी तथा सुभाष फौजी ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे की बुराई के बारे में युवाओं को जागरूक किया। केएल थियेटर द्वारा नशा एक अभिशाप विषय पर नाटक की प्रस्तुति दी गई। इसी प्रकार से स्कूली बच्चों ने भी मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

हाफ मैराथन में पुरुष वर्ग में मोहित और महिला वर्ग में तामशी सिंह प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ डबवाली

डबवाली में आयोजित हॉफ मैराथन में पुरुष वर्ग में मोहित कुमार प्रथम स्थान पर रहे। उन्होंने एक घंटे 10 मिनट और 39 सेकंड में दौड़ पूरी की। द्वितीय स्थान पर जसवंत रहे, जिन्होंने एक घंटा 12 मिनट 50 सेकंड में दौड़ पूरी की। तृतीय स्थान पर रहे राम स्वरूप ने एक घंटा 18 मिनट 37 सेकंड में दौड़ पूरी की। इसी प्रकार से महिला वर्ग में प्रथम रही तामशी सिंह ने एक घंटा 29 मिनट 43 सेकंड में दौड़ पूरी की। द्वितीय स्थान पर रही जसप्रीत ने दो घंटे 14 मिनट 28 सेकंड व तृतीय स्थान पर रही राजविंदर ने दो घंटे 18 मिनट में दौड़ पूरी की। दस किलोमीटर दौड़ के पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान पर रहे मोहन ने 31 मिनट 17 सेकंड, द्वितीय स्थान पर रहे बिट्टू ने 31 मिनट 26 सेकंड तथा तृतीय स्थान पर रहे। इसी तरह से संदीप ने 33 मिनट 11 सेकंड में दौड़ पूरी की। इसी प्रकार से दस किमी दौड़ की महिला वर्ग में नीता रानी प्रथम स्थान पर रही।

सिरसा। मैराथन रूट पर जाता नेताओं का काफिला।

सीएम ने विजेताओं को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यूथ मैराथन के विजेताओं को मेडल, सर्टिफिकेट व चेक देकर सम्मानित किया। 21.1 किलोमीटर स्पर्धा के प्रथम विजेता को प्रथम पुरस्कार के रूप में 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। वहीं द्वितीय पुरस्कार के रूप में 37 हजार 500 तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपये के चेक प्रदान किए। इसी तरह 10 किलोमीटर स्पर्धा में प्रथम विजेता को 25 हजार, द्वितीय को 15 हजार तथा तृतीय को 10 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। महिला और पुरुष वर्ग में यह समान राशि अलग-अलग प्रदान की की गई।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक पंकज नैन, अतिरिक्त उपायुक्त विरेंद्र सहरावत, पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, एसडीएम डबवाली अर्पित संगल, एसडीएम कालांवाली मोहित कुमार, डीएफएससी मुकेश कुमार, जिला राजस्व अधिकारी संजय कुमार, जिला खेल अधिकारी जगदीप, डीएसडब्लूओ सत्यवान ढिलौड, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, भाजपा डबवाली जिलाध्यक्ष रेणू शर्मा, भाजपा सिरसा जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट, चेयरमैन देव कुमार शर्मा, सिरसा जिला प्रभारी वेद फुला, वरिष्ठां भाजपा नेता अमीर चंद मेहता आदि मौजूद रहे।

रत्ताखेड़ा में हुए ब्लाइंड मर्डर मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ ओढां

पुलिस ने गांव रत्ताखेड़ा में हुए ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी को सुलझाते हुए एक हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की वजह पैसों के लेन-देन बताई जा रही है। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद की गई है। डीएसपी कालांवाली संदीप धनखड़ ने रविवार को बताया कि बीती 20 अगस्त की रात्रि को अमीलाल की घर के निकट ही अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मृतक अमीलाल के बेटे दिनेश ने ओढां थाना में दर्ज करवाई शिकायत में बताया कि उसका पिता रात्रि को भोजन करने के बाद घूमने के लिए गया था लेकिन वापस नहीं लौटा। अगली सुबह ग्रामीणों ने घर के निकट ही अमीलाल की खून से लथपथ लाश देखी और इसकी सूचना पुलिस को दी। जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डबवाली के नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। अमीलाल के शरीर पर तेजधार हथियार से गहरे घाव लगे हुए थे तथा खून निकल कर जमीन पर बिखरा हुआ था।

सिरसा। गांव रत्ताखेड़ा में हुई हत्या मामले में पकड़ा गया आरोपी।

अंतरराज्यीय तस्कर काबू, चूरापोस्त बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ डबवाली

पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ शिकंजा कसते हुए एक अंतरराज्यीय नशा तस्कर को लाखों रुपये के 53 किलोग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। डीएसपी कालांवाली संदीप धनखड़ ने रविवार को डबवाली में प्रेसवार्ता में बताया कि पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। आरोपी ने गांव देसूजोधा के निकट सडक़ किनारे झाड़ियों में चूरापोस्त छिपाकर रखा हुआ था। तस्कर की पहचान पंजाब के बठिंडा जिला निवासी तरसेम सिंह उर्फ सेमी के रूप में हुई है। डीएसपी ने बताया कि सीआईए प्रभारी राजपाल टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बठिंडा निवासी तरसेम सिंह नशा तस्करी का काम करता है और उसने गांव देसूजोधा के निकट सडक़ किनारे झाड़ियों में भारी मात्रा में चूरापोस्त छिपाकर रखा हुआ है। पुलिस ने सूचना के आधार पर मौके पर छापामार कार्रवाई की। मौके पर खड़ा एक व्यक्ति झाड़ियों की तरफ भागने लगा। पुलिस ने उसे दबोच लिया। झाड़ियों में तिरपाल के नीचे प्लास्टिक के थैले छिपाकर रखे हुए थे। तलाशी लेने पर 53 किलोग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ, जिसकी की कीमत करीब चार लाख रुपये आंकी जा रही है। आरोपी के खिलाफ डबवाली थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया गया है। डीएसपी ने बताया कि अरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और चूरापोस्त तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। इसके अलावा पुलिस ने हेरोइन तस्करी में वांछित सप्लायर को गिरफ्तार किया है। डबवाली शहर थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि पुलिस ने मंडी डबवाली से गुरजोत सिंह व विनोद को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया था।

सिरसा। पत्रकारों को जानकारी देते डीएसपी संदीप धनखड़।

पति ने पत्नी पर चाकू से हमला कर किया घायल, आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। जिले के जाखल क्षेत्र के गांव म्योंद कलां में एक पति ने अपनी पत्नी पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल महिला को उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में जाखल पुलिस ने महिला के पति सहित चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव म्योंद कलां निवासी अमरो देवी ने कहा है कि गत दिवस उसका पति नारायण सिंह किसी काम से बाहर गया हुआ था। करीब दो बजे जब वह घर आया तो आते ही उस पर चाकू से हमला कर दिया लेकिन वह चाकू से बच गई। इसके बाद उसके ससुर गोबिंद, सास शीला व जेठानी पासी के कहने पर उसने दोबारा उस पर चाकू से हमला कर दिया जोकि उसकी पीठ में लगा और वह बेहोश हो गई। बाद में उसे उपचार के लिए जाखल के अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां से उसे अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। महिला ने आरोप लगाया कि उसका पति पहले पैसों के लिए बार-बार उसे तंग करता था और इसी के चलते उस पर हमला किया है। इस मामले में जाखल पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी नारायण दास को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया।

कार्यक्रम श्रीहरि का पूजन करने से होगा धन-लाभ, नकारात्मक ऊर्जा हो जाएगी नष्ट

विष्णु भगवान के तीसरे अवतार वराह जयंती आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

■ पीले फूल, चंदन, तुलसीदल के साथ ही भोग लगाएं

भाद्रपद के महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीय तिथि को विष्णु भगवान के तीसरे अवतार वराह जयंती मनाई जाती है। इस बार यह वराह जयंती आज 25 अगस्त को मनाई जाएगी। इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त दोपहर 1:40 बजे से शाम 4:15 बजे तक रहेगा। तृतीया तिथि 25 अगस्त को दोपहर 12:35 बजे प्रारंभ होकर 26 अगस्त को दोपहर 1:54 बजे पर समाप्त होगी। श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि शास्त्रों में उल्लेख है कि जब हिरण्याक्ष ने धरती को समुद्र में डुबो दिया था, तभी भगवान विष्णु ने वराह रूप के अवतार धरती को अपने दांतों पर उठा कर उसे उसके स्थान पर स्थापित कर दिया था। जिसके कारण इस दिन को धर्म, न्याय और साहस की विजय का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि इस दिन भगवान विष्णु की पूजा बहुत लाभकारी सिद्ध होगी। श्री हरी विष्णु की पूजा से जीवन की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाएगी और सकारात्मकता का संचार होगा। पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार इस दिन पूजा करने से भक त को धन, स्वास्थ्य, मनोकामना, शत्रु पर विजय, भय से मुक्ति और धार्मिक उन्नति की प्राप्ति होती है। भगवान बराह के रूप में को देखकर हिंदू धर्म में लोगों का मनोबल बढ़ता है कि अधर्मी कितना भी बलवान क्यों न हो जाए, लेकिन भगवान के आगे उसकी हार निश्चित है। पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि वराह जयंती के दिन सुबह उठकर स्नान करें। साफ वस्त्र धारण कर भगवान का ध्यान करें और व्रत का संकल्प करें। उसके बाद भगवान विष्णु की प्रतिमा एक चौकी पर स्थापित करें। भगवान का पंचामृत से अभिषेक करें। पीले फूल, चंदन, तुलसीदल के साथ ही भोग लगाएं। भगवान के सामने बैठकर मंत्रों का 108 बार जाप करें।

भक्तों का संकट हमेशा दूर करते हैं श्रीहरि

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि वराह जयंती हमें हमेशा याद दिलाती है कि धरती पर जब भी संकट आया है। तब विष्णु जी ने अवतार लेकर उस संकट को दूर किया है और जगत में संतुलन स्थापित किया है। वराह जयंती के दिन व्रत और पूजा करने से सभी पाप नष्ट होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। संतान सुख की प्राप्ति होती है और भय से मुक्ति मिलती है। शास्त्रों की माने तो वराह जयंती का व्रत करने से व्यक्ति मोक्ष की प्राप्ति भी कर सकता है।

लाखों की चोरी के मामले में दो काबू

फतेहाबाद। टोहाना के एक मकान से लाखों की चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो शातिर चोरों को धर दबोचा है। पकड़े गए युवकों ने एक युवक मंगल उर्फ राजेश चोरी की वारदातों का सीरियल प्लेयर और आदतन अपराधी है। पुलिस ने आरोपी को रविवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के दिशा-निर्देशों में चलाए जा रहे अपराध मुक्त फतेहाबाद अभियान के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी मंगल उर्फ राजेश पुत्र राजू उर्फ पोनी निवासी बाबा बुटा शाह बस्ती, टोहाना को उसके साथी मोनू उर्फ मोनी पुत्र वीरभान निवासी बूटा शाह बस्ती के साथ गिरफ्तार किया।

खोखरा कोट

रोहतक शहर के मध्य बसे खोखरा कोट का इतिहास शताब्दियों पुराना है। खुदाई के दौरान यहां से 350 ई . पूर्व के प्राचीन अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने इसे अपने अधीन ले रखा है। इतिहासकार बताते हैं कि योधेयों के नगर रहे खोखरा कोट में राजप्रणाली प्रजातंत्र की होती थी। इसका अंतिम शासक खोखर गोत्र का व्यक्ति था, जिसकी वजह से इसका नाम खोखरा कोट पड़ा। कोट का अर्थ किला होता है।

सांग पुरोधाओं में शुमार रहे निहालचंद 'निहाल'

भावपक्ष व शिल्पपक्ष की दृष्टि से निहालचंद 'निहाल' का काव्य बेजोड़ है। भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्य, अध्यात्म, गुरुभक्ति, समाज-सुधार, नीति, नारी-सम्मान, देशभक्ति, युगबोध का चित्रण पग-पग पर अवलोकनीय रहा है।

कला-संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

साहित्य समाज का दर्पण होता है और लोक-साहित्य लोकजीवन का दर्पण होता है। लोकजीवन में जो कुछ घटित होता है उसका पूरा ब्यौरा लोक-साहित्य में समाहित रहता है। लोक-साहित्य की अनेक विधाएं हैं, जैसे लोकगीत, लोककथाएं, लोकगाथाएं एवं लोकनाट्य आदि। पर लोकनाट्य अर्थात सांग सभी कलाओं का समुच्चय है।

इसमें गीत, संगीत, कथा, नृत्य आदि सब कुछ समाहित रहता है इसलिए लोकजीवन में सबसे ज्यादा प्रभाव लोकनाट्य का पड़ता है। हरियाणा का सांग साहित्य कभी से बड़ा प्रसिद्ध रहा है। यहां पर अनेक महान सांगी हुए हैं, जिन्होंने इस कला को पोषित करने में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। इन्हीं में से एक थे सांग-पुरोधा निहालचंद 'निहाल'। निहालचंद 'निहाल' की गणना अपने समय के महान सांगियों में होती है। इनका जन्म 21 अक्टूबर, 1887 को गांव नांगल ठाकरान में एक गौड़ ब्राह्मण किसान परिवार में हुआ। सांग के क्षेत्र में इनका ऐतिहासिक बहुमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। इन्होंने हरिश्चंद्र, राजा उत्तानपाद, नल-दमयंती, सत्यवान-सावित्री, भगत पूर्णमल, चाप सिंह, रामलीला, कृष्णलीला, महाभारत, राजाभोज-शरणदे, सरवर-नीर, चंदकिरण, ज्यानी चोर, जमाल-गबरू, गोपीचंद तथा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप आदि सांगों तथा अनेक मुक्तक भजनों की रचना की।

काव्य के भावपक्ष व शिल्पपक्ष की दृष्टि से इनका काव्य बेजोड़ है। भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्य, अध्यात्म, गुरुभक्ति, समाज-सुधार, नीति, नारी-सम्मान, देशभक्ति, युगबोध का चित्रण पग-पग पर अवलोकनीय है। हरियाणा समेत समस्त उत्तर भारत में इनके सांग होते थे। उस समय इनके सांगों की हर जगह धूम मची हुई थी और बाल व वृद्ध सभी बड़े चाव से इनके सांगों को देखते थे।

निहालचंद 'निहाल' ने अपनी खुली आंखों से लोकजीवन को देखा, जीया, जांचा और परखा तथा अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने अपने सांगों में लोक संस्कृति का प्रभावात्मक चित्रण किया जिसकी चहुंदिशा में प्रशंसा हुई। यही नहीं हरियाणा के सूर्यकवि पं. लखमीचंद जैसे लोकनाट्य कला के महारथी ने भी उनके पास रहकर सांगकला की बारीकियों को सीखा। इसका उल्लेख हिंदू विश्वकोश कोलंबिया (यू.एस.ए) में हुआ है। ऐसे महान कलाकार के लोक साहित्य के लिए किए गए योगदान को यहां प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

निहालचंद 'निहाल' का समय स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए बड़े संघर्ष का समय था। सभी भारतीय अपने-अपने तरीके से स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु प्रयास कर रहे थे। निहालचंद 'निहाल' भी अपने सांगों के माध्यम से अनेक अमर बलिदानियों के उदाहरण देकर लोगों को आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए और स्वदेशी सामान का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करते रहते थे। उन्होंने देशभक्ति की काफी

रचनाएं की और देश की आन, बान और शान पर मिटने वाले 'महाराणा प्रताप' का देशभक्ति प्रेरक सांग बनाया और अभिनीत किया। अपने भजनों में अंग्रेजों की खिलाफत की, जिसके कारण इन्हें, उनके क्रोध का भाजन भी बनना पड़ा। कई बार ऐसा न करने की चेतावनी मिली। उसके बाद गिरफ्तार भी कर लिए गए। इनकी देशभक्ति की रागनियाँ पूर्णतः प्रतिबंधित कर दी गई। दर्शनीय है इनकी यह रचना-

भाइयो हो ज्याओ सब त्यार,
देश माँगता कुर्बानी ।।
सिर पै कफन बांध ल्यो सारे ।
इंकलाब के लाओ नारे ।
गोर्यां नै घणे जुल्म गुजारे ।
मारे बहोत घणे नर-नार,
होगे अमर बलिदानी ।।

निहालचंद 'निहाल' के सांगों में न्यूनाधिक मात्रा में सभी दर्शनों का उल्लेख हुआ है। साक्ष्यार्थ उनकी एक रचना प्रस्तुत है; जिसमें सत, रज, तम की त्रिगुणी माया, पंच भूत, दस इंद्रियों, पच्चीस प्रकृति आदि का वर्णन है-

उस निराकार परब्रह्म की छाया मिल गई ।
पाँच तत्त्व जिनमैं त्रिगुणी माया मिल गई ।
शहंशाह बण्या तू रय्यत राया मिल गई ।
राजधानी सुन्दर नगरी काया मिल गई ।
हाड माँस मज्जा रक्त और चाम-चाम-चाम ।।
मानज्या भजै नै मन राम - राम - राम ।।

मनुस्मृति में वर्णाश्रम व्यवस्था का पूर्ण उल्लेख हुआ है। निहालचंद 'निहाल' ने अपने एक भजन के माध्यम से हमारी प्राचीन सामाजिक व्यवस्था को इस प्रकार प्रस्तुत किया है-

ब्राह्मण के छः कर्म वेद का पढ़णा और पढ़ाणा था ।
वेदशास्त्र मनु - स्मृति गीता ज्ञान सुणाणा था ।
दान का देणा खुद भी लेणा यज्ञ करणा, करवाणा था ।
थी ब्रह्म की पहचान शील संतोष दयालु बाणा था ।

दादी सती मंदिर और दादा मालदेव मंदिर नांगल ठाकरान में लगाए गए बरगद के विशाल वृक्ष उनके प्रकृति प्रेम के साक्षी हैं तथा लोगों के जेहन में अब भी उनकी स्मृति को ताजा करते रहते हैं।

पतिव्रत-धर्म नारी की उत्कृष्टता का सर्वश्रेष्ठ प्रतिमान है। निहालचंद 'निहाल' ने भारतीय संस्कृति के इस जाज्वल्यमान पक्ष को पतिव्रता द्रौपदी के माध्यम से उजागर किया है-

सुणै कथा भागवत ग्रहस्थ धर्म सीखै और हमें सिखावै ।
आशा, तृष्णा, दुबधा, दुर्मति की नहीं तरफ लखावै ।
नित अमृत भर्या रहै जिव्हा मैं चाखै और चखावै ।
रवि, मंगल, पून्नम, एकादशी का राखै व्रत रखावै ।
गऊ ब्राहाण साधू नै जिमा अँजल करै ब्रतीबासी ।।

हमारे लोकजीवन में आचरणीय और माचरणीय बातों की एक लम्बी श्रृंखला है। सज्जन लोग सदाचार की राह पर चलते हैं और दुष्ट सदा इसके विपरीत। अतः हमारी रीतिनीति को निहालचंद 'निहाल' ने इस प्रकार विवेचित किया है-

बेमतलब बेकाम जीत और हार नहीं करणी चाहिए ।
सुण कायदे से बाहर नार की सार नहीं करणी चाहिए ।
धाय वैद्य रसोइया मित्र से तकरार नहीं करणी चाहिए ।
दस पाँच आदमी मना करैं वा कार नहीं करणी चाहिए ।

भारतीय संस्कृति में मानवीय मूल्यों का बड़ा महत्त्व है। इसी सिद्धांत को अपनाते हुए निहालचंद 'निहाल' ने भारतीय संस्कृति में अनुस्यूत नैतिक मूल्यों की स्थापना की है। प्रमाण स्वरूप उनकी यह रागनी देखिए-

धीरज धर समय पड़ी मैं रै ।।
कड़वा बोलै विष घुलज्या ।
आगै भली बुरी सब खुलज्या ।
तुलज्या सत्त धर्म धड़ी मैं रै ।।

एक माँ के हृदय में अपनी संतान के प्रति अगाध वात्सल्य होता है। उसकी झलक निहालचंद 'निहाल' की इस रागनी में मिलती है। इसलिए बेटे के मरने का दुख व उस असहनीय स्थिति को उन्होंने निम्नलिखित रचना में इस प्रकार दर्शाया-

बेटा तेरे बिन रोहतास, रही ना तेरी माँ किसे दीन की, मरूँ कित टक्कर मारकै ।।

निहालचंद 'निहाल' के काव्य का भाव-पक्ष तो सबल था ही, उनका अभिव्यक्ति पक्ष एवं काव्य-सौंदर्य पक्ष भी दर्शनीय था। महारानी सुदेष्णा, सैरन्ध्री (द्रौपदी) के सौंदर्य की समता कभी ब्रह्माणी (सरस्वती), इन्द्राणी, लक्ष्मी, पार्वती और अग्नि की पत्नी स्वाहा से करती है, तो कभी उसे देवलोक की अप्सरा बताती है और उसके आंगिक सौन्दर्य को इस प्रकार उद्घाटित करती है-

तेरा नाक सुआ-सा मुँह बटवा-सा सुर्ख लबों पै लाली ।
मिजगां के तीर अबरू कमान, दो जुल्फ नाग-सी काली ।
तेरी तिरछी नजर प्रेम की चितवन, वार नहीं जा खाली ।
कहै निहालचंद उस बेमाता नै तू घड़ी बैठ कै ठाली ।
सुण कोयलबैनी मृगनैनी, तेरै घली कुदरती स्याही ।।
इस दुनिया मैं इतनी सुथरी कोन्या और लुगाई ।।

कीचक और सैरन्ध्री के संवादों में तो संयोग-श्रृंगार मानो जीवन्त ही हो उठा है। कीचक का सैरन्ध्री को रति-रण के लिए आमंत्रण में तो मानो श्रृंगार रस का सोता ही फूट पड़ा है। देखिए-

वो बाजीगर खेल रचावै, काम रति का मेळ मिलावै,
सैरन्ध्री म्हारै कद-कद आवै, दुख-सुख बुझूँ दारू पिलाकै ।
सुकड़ रही सर्दी की मारी, काया खुलज्यागी गर्माकै ।।
बिछ रहे पिलंग निवारी सोइये, उठकै मुख साबुण से धोइये,
बाळ-बाळ मैं मोती पिरोइये, गूँथ लिए सिर चोटी न्हाकै ।
लाइये तेल फुलेल शरीर मखमल सा हो ज्यागा नरमा कै ।।

करुण रस के छिटपुट प्रसंग तो इनके सभी सांगों में समाहित हैं, किन्तु महाभारत एवं विराट पर्व में इस रस का मार्काखेज वर्णन है। कीचक वध के उपरांत उसके भाई द्रौपदी को कीचक की अर्थी के साथ जीवित ही कीचक की चिता में झोंक देने की ठान लेते हैं। ऐसी हृदय विदारक स्थिति में असहाय द्रौपदी भगवान को टेरने के अतिरिक्त और कर भी क्या सकती है। निहालचंद 'निहाल' की अग्रदत्त रागनी में मानो करुण रस साकार हो उठा है-

बड़ी जोर से दान्ने चले, शमशान भूमि आ गई ।
सती रुदन कर हारी बिचारी, फूल ज्यूँ कुम्हला गई ।।
बुलबुल फंसी है जाल मैं, नहीं बस चलै अब क्या करूँ ।
रस्ता बता परमात्मा, मेरी आत्मा दुख पा गई ।।
कहैं निहालचन्द करता तू ही, मारै तू ही मरता तू ही ।
अद्भुत प्रभु लीला तेरी, बुद्धि मेरी चकरा गई ।।

जीवन के अंतिम पड़ाव पर ये लोककल्याण एवं भक्तिभावना में लीन हो गए। इन्होंने जगह-जगह पीपल एवं बरगद के पेड़ लगाए तथा प्रतिदिन लोगों को गीता, महाभारत रामायण एवं पौराणिक कथाएं सुनाने लगे। सांग-पुरोधा निहालचंद 'निहाल' 24 फरवरी 1995 को अपने परिवार को भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश सुनाते-सुनाते ब्रह्मलीन हो गए।

उनके कर-कमलों से दादी सती मंदिर व दादा मालदेव मंदिर नांगल ठाकरान में लगाए गए बरगद के विशाल वृक्ष उनके प्रकृति प्रेम के साक्षी हैं तथा लोगों के जेहन में अब भी उनकी स्मृति को ताजा करते रहते हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि सांग की जिस ज्योति को निहालचंद 'निहाल' से पूर्व सांगियों ने प्रज्ज्वलित किया था, निहालचंद 'निहाल' ने उसमें अपनी साहित्य एवं काव्य साधना का घृत डालकर उस ज्योति को प्रकाशमान रखने का पूर्ण एवं सफल प्रयास किया है।

कविता | डॉ. फूल कुमार राठी

कुत्यां की पंचायत

झबरू बोल्या माणस जात नै, कर दिये घाव कसूते,
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

अलग होण तैं पहल्यां थमनै, बात ज्ञान की कह ज्यांगे,
हम तो दूर चले जांगे, पर कुत्ते फेर भी रह ज्यांगे।
ईश्वर थारा भला करैगा, बसो-घसो सुख मौज तैं,
म्हारै साथ किसी ए बण लियो, सारी हँस के सह ल्यांगे।
जै म्हारी कोए ग़लती हो तो, बेशक मारो जूते।
करण फ़ैसला बैठ गए मिल कै, दिल्ली के कुत्ते ।

न्यारी करल्यो फैमिली आई.डी, न्यारे राशन कार्ड हों,
अलग हो सीमा, अलग बसासत, अलग गांव और वार्ड हों।
सारी सुविधा वो ल्यांगे, जो माणस जात नै मिलरी सैं,
जो म्हारे नेता और मंत्री, उनके भी बॉडी गार्ड हों।
इबी भी ना जागांगे तो, रह जावांगे सुत्ते।
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

अलग करो हदबस्त हमारी, खेवट तक भी न्यारी हों,
हम भी करल्यां पेट गुजारा, बोवण नै कुछ क्यारी हों।
माणस, छाणस नहीं काम के, इनकी पैड़ चालियो ना,
अपनी पंचायत के अंदर, सारी बात ब्यौहारी हों।
भोत रह लिए इनकै भरोसै, इब अपणै बलबूते,
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

जंग की उमंग

आज अचानक त्यारी करली मां के जाये बीर तनै
छुट्टी छौड़ अधूरी बहना जाणा सै कश्मीर मनै

छुट्टी छौड़ अधूरी भाई आज क्यूकर होग्या जाणा
सीओ साहब की चिट्ठी आई चाहिए फर्ज निभाणा
इस चिट्ठी में के लिख राख्या चाहिए भेद बताणा
कारगिल में दुश्मन आकै करण लगा धिगताणा
देश की रक्षा करणी सै या लिखा ल ई तकदीर तनै
देश कै उपर अर्पित करणी तन मन की जागीर मनै

देश की रक्षा करणी चाहिए बता कौण तनै नाटै सै
ताक़त शस्त्र दुश्मन आगै बिरला ऐ दिल डाटै सै
कायर और निडर नै भाई या रणभूमि छाटै सै
हे रण मैं चढज्या खून उबलै जब बेरा पाटै सै
दुनिया म्हा तै दुश्मन का ढाणा सांझा शीर तनै
तेरे बोला का मेरी छाती मैं गाड़ लिया तीर मनै

मां का दूध लजाइये मतना जब तनै जाणु मैं
कायर भाजै पिठ दिखाकै रण में छाती ताणु मैं
मेरे मन की चाही पुरी करदे याहे बात बखाणु मैं
गेरु गोले ओले सोले हे बणज्यागा परमाणु मैं
या सारी दुनिया जाणै सै भारत के रणधीर तनै
सदा तिरंगा सजा रहे या लौह की समझ लकीर मनै

केसर क्यारी कश्मीर हमारी दुश्मन के चाहवै सै
वो धोखा देकै आ बैठा के धोखे तै थावै सै
जल्दी करकै जा भाई क्यू सहम वार लावैसै
यो महेंद्र सिंह बिलोटे आला सिर बिस्तर ठावै सै
जाते जाते अपने हाथा देऊ पिला नीर तनै
जीत लड़ाई तेरे हाथा का खाणा हलवा खीर मनै

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

1857 का संग्राम

अंग्रेजों ने कर्नल हड़सन के नेतृत्व में एक सेना दिल्ली से 14 अगस्त 1857 को रोहतक के लिए की थी रवाना

रोहतक के किले में लगाया था रांघड़ों ने मोर्चा

इतिहास | यशपाल गुलिया

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम मई 1857 में आरम्भ हुआ था, तब स्वतंत्रता सेनानियों ने दिल्ली को अंग्रेजों से मुक्त करवा लिया था, जो केवल चार मास तक ही कायम रहा। अंग्रेजों ने दिल्ली पर फिर से अधिकार करने के लिए पंजाब के देशी शासकों से सैन्य सहायता प्राप्त की तथा दिल्ली के बाहर बाड़ा हिन्दुराव के स्थान पर पड़ाव लगा लिया था।

दरअसल, दिल्ली की चारदीवारी के अन्दर सेनानियों का कब्जा था जिन्होंने उस अंग्रेज सेना से बाहर निकलकर अनेक बार युद्ध किए थे। उस अंग्रेज सेना को पीछे से आक्रमण का भय बना रहता था, जिसके लिए उन्होंने नजफगढ, खरखौदा तथा रोहतक तक सेनानियों से युद्ध करने पड़े थे। तब तक रोहतक का किला भी बेहतर अवस्था में था। उसी किले में आस-पास के रांघड़ों ने मोर्चा लगा लिया था। उल्लेखनीय है कि अंग्रेजों की प्रथम पंजाब कवैलरी केवल रोहतक के आसपास रांघड़ों द्वारा गठित थी। यह 1857 में मऊ में तैनात थी तथा वे सभी बगावत करके अपने हथियारों सहित रोहतक व खरखौदा आदि क्षेत्रों में संगठित हो गए थे। खरखौदा में विसारत में अली नामक रांघड़ तथा रोहतक में बबर खां नामक व्यक्ति ने युद्ध सामग्री के साथ-साथ नेतृत्व का निर्णय ले लिया। दिल्ली की रिज पर स्थित अंग्रेजों को जब रांघड़ों की तैयारियों का पता लगा तो उन्होंने कर्नल हड़सन के नेतृत्व में एक सेना रोहतक के लिए भेज दी। उस सेना में केवल अधिकारी अंग्रेज थे, जैसे मैकडोवल, लेफ्टिनेंट वाईज, कैप्टन वार्ड व लेफ्टिनेंट हफ गफ आदि। जबकि सैनिक भारतीय देशी शासकों द्वारा भेजे हुए थे।

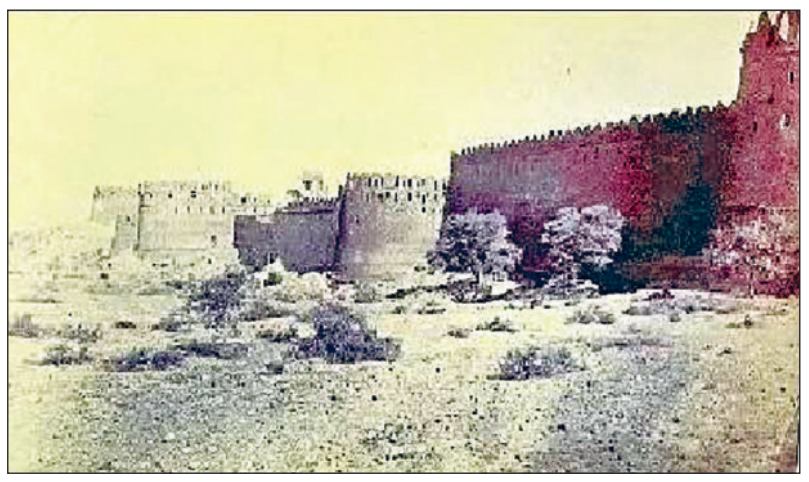

इस प्रकार आदेशानुसार हड़सन ने दिल्ली से 14 अगस्त 1857 को रोहतक के लिए प्रस्थान किया। लेकिन 15 अगस्त को अंग्रेज सेना का प्रस्थान खरखौदा में ही हो गया। विसारत अली के नेतृत्व में आस-पास के हसनगढ़ आदि के रांघडों ने हड़सन की सेना पर भीषण प्रहार किए लेकिन हथियार आदि के अभाव में खरखौदा के युद्ध में सेनानियों की पराजय हुई और अंग्रेज सेना 16 अगस्त को रोहतक को कुच कर गई। वहां जाकर हड़सन की सेना ने पुरानी कचहरी वाले स्थान पर पड़ाव लगा लिया। जबकि बबर खां के नेतृत्व में इकट्ठे हुए रांघड़ व पठानों ने किले में मोर्चा लगा रखा था। इनमें बागी सैनिकों के अतिरिक्त सिविलियन भी शामिल थे। एक अंग्रेज लेखक के अनुसार रोहतक में 300 घुड़सवार तथा 700 बन्दूकधारी इकट्ठे हो गए थे। अंग्रेज कमान्डर हड़सन ने सेनानियों की तैयारी देखकर 18 अगस्त को पीछे हटने का दम्भ भर दिया। इसके बाद किले से बाहर निकलकर सेनानियों ने अंग्रेज सेना पर आक्रमण कर दिया। लेकिन छलावे की रणनीति के कारण हड़सन की सेना ने रोहतक वालों को दो तरफ से घेर लिया और कुछ समय तक 18 अगस्त को भीषण युद्ध हुआ। इसमें सेनानियों को भारी हानि के बाद पराजय का मुंह देखना पड़ा। परन्तु रोहतक के किले पर कुछ बन्दूक धारियों की उपस्थिति के कारण वहां पर अंग्रेजों का कब्जा नहीं हो सका। अंग्रेज सेना जसीया गांव की तरफ से सोनीपत की ओर कूच कर गई। यहां उल्लेखनीय है कि झज्जर व दुजाना के नवाबों ने तब कोई भूमिका अदा नहीं की और ना ही रांघडों व पठानों की किसी अन्य समुदाय ने सहायता की थी।

रोहतक के किले का वासतविक चित्र जोकि 1870 में एक अंग्रेज द्वारा लिया गया था।

छलावे की रणनीति के कारण हड़सन की सेना ने रोहतक वालों को दो तरफ से घेर लिया और कुछ समय तक 18 अगस्त को भीषण युद्ध हुआ। इसमें सेनानियों को भारी हानि के बाद पराजय का मुंह देखना पड़ा। परन्तु रोहतक के किले पर कुछ बन्दूक धारियों की उपस्थिति के कारण वहां पर अंग्रेजों का कब्जा नहीं हो सका।

आश्चर्य की बात ये है कि 1857 के ऐसे भीषण युद्धों का पाठय पुस्तकों में भी वर्णन नहीं किया गया। जबकि खरखौदा के युद्ध में तो चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस पदक भी मिला था।

संस्कृति को जीवंत करने का माध्यम है हास्य कला : आजाद दूहन

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने के लिए लोक कलाकारों ने अपनी अलग-अलग विधाओं में समाज को भी नई दिशा दी है। ऐसे ही कलाकारों में हास्य कलाकार आजाद दूहन हरियाणवी संस्कृति का संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। हरियाणवी चुटकुला सम्राट के रूप में अपनी पहचान बना चुके रेडियो कलाकार आजाद सिंह दूहन ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर करते हुए कहा कि किसी भी विधा में कला के माध्यम से समाज को अपनी संस्कृति और सभ्यता तथा परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश देना संभव है।

लोक कलाकार आजाद सिंह दूहन का जन्म 2 अक्टूबर 1972 को हिसार जिले के गांव बनभौरी में एक किसान परिवार में श्रीचंद और रोशनी देवी के घर में हुआ। ग्रामीण पृष्ठभूमि में गांव में पले-बढ़े आजाद के परिवार में उनके दादा खेती करते थे और पिताजी श्रीचन्द्र मुख्य अध्यापक से सेवानिवृत्त हुए, जो अब परिवार में खेती बाड़ी करते आ रहे है। भले ही उनके परिवार में कोई साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन उनके दादा जी बचपन में उन्हें कहानियां सुनाते थे और उनसे भी कविताएं सुनते थे। घर में उनकी माता एक कुशल गृहणी रही हैं। इसलिए उनकी बचपन से ही संस्कृति एवं प्रकृति संरक्षण के प्रति अभिरुचि रही है। बकौल आजाद सिंह, उनकी प्राइमरी शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल से हुई। जबकि इंटरमीडिएट बरवाला के स्कूल और एमएसएससी(भूगोल) में राजकीय कालेज हिसार से उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने जाट कालेज से बीएड की डिग्री हासिल की। बीएड के आधार पर आजाद एक शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए और फिलहाल वे पनिहारी के प्राइमरी स्कूल में अध्यापन कार्य कर रहे हैं। उनकी कला का यह सफर 1988 से शुरू हुआ, लेकिन 1990 में यह सफर राजकीय महाविद्यालय हिसार में उड़ान भरता नजर आने लगा, जहां उनके गुरु प्रो. प्रोफेसर गुगनराम गोदारा ने उन्हें हास्य कला के लिए बेहद प्रोत्साहित किया है और उनके मार्गदर्शन एवं सानिध्य में ही 'हरियाणवी नाटक, मंच संचालन, हरियाणवी हास्य में विशेषकर चुटकलों में भाग लिया। उनका कहना है कि शुरुआती दौर में उन्होंने परिवार को बिना बताये डरते-डरते लोक कला क्षेत्र कदम रखा, लेकिन धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो गया। 1993 में वह बिना बताए घर से नैनीताल कैंप में भाग लेने के लिए गये। उन्होंने फिल्म ऐपरिशियेशन वर्कशाप में भाग लेकर अभिनय की बारीकियां सीखी और इसी साल राष्ट्रीय यूथ लिडरसीप कैम्प नैनीताल में सर्वश्रेष्ठ कैम्पर का पुरुस्कार हासिल किया। हालांकि इससे पहले उन्होंने साल 1988 में दसवीं कक्षा के दौरान विद्यालय स्तर पर राजकीय उच्च विद्यालय बरवाला में पहली बार मंच से कविता सुनाई थी। उसके बाद युवा संसद प्रतियोगिता में भाग लिए लिया और यह युवा संसंद पूरे राज्य में प्रथम आई, जिसमें उन्होंने लोकसभा महासचिव के किरदार की भूमिका निभाई। आज वह एक रेडियो कलाकार के रूप में प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयो के सांस्कृतिक निर्णायक मंडल में भी शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं मंचों पर उनकी हास्य व्यंग्य प्रस्तुति का मूल उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार एवं हरियाणवी संस्कृति एवं प्रकृति को बढ़ाना है। हरियाणवी हास्य नाटिका के मंच से लगातार पांच वर्ष तक हरियाणा दिवस पर चुटकुले सुनाने में प्रथम रहा। इस उपलब्धि को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा साल 1995 में उन्हें चुटकुला सम्राट के पुरस्कार से नवाजा गया। उन्होंने सातवें राष्ट्रीय युवा उत्सव का भी संचालन किया। यही नहीं, उन्होंने लगातार पांच साल तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक एवं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में राज्य स्तरीय चुटकुला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया।आधुनिक युग में लोक कला और संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर आजाद सिंह दूहन का कहना है कि इस इंटरनेट के युग में अभिनय, कला एवं संस्कृति संगीत बदलाव के दौर में है। वह संस्कृति एवं संगीत में अच्छे बदलाव के समर्थक हैं।

सम्मान और पुरस्कार

हरियाणा सरकार से चुटकुला सम्राट पुरस्कार और हरियाणा गौरव पुरस्कार से अलंकृत आजाद सिंह दूहन को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में रत्नावली हरियाणवी संस्कृति पुरस्कार भी मिल चुका है। वहीं कुरुक्षेत्र विविद्यालय में दूहन को सर्वश्रेष्ठ एक्टर के पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अशोका सांस्कृतिक अवार्ड भी दिया जा चुका है। हरियाणवी संस्कृति उपलब्धियां के आधार पर राज्य संस्कृति पुरस्कार और राष्ट्रीय स्तर पर अशोका सांस्कृतिक अवार्ड से भी उन्हें नवाजा जा चुका है।

खबर संक्षेप

सालमखेड़ा से महिला दो बच्चों सहित लापता

फतेहाबाद। गांव सालमखेड़ा से एक महिला के अपने दो बच्चों सहित लापता होने का समाचार है। इस बारे महिला के पति ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव सालमखेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि गत दिवस वह काम करने के लिए खेत में गया हुआ था। घर पर उसकी पत्नी व दोनों बच्चे थे। जब वह खेत में काम करके शाम को घर आया तो उसने देखा कि उसके घर से उसकी पत्नी व दोनों बच्चे गायब थे। इस पर उसने काफी जगह उसकी तलाश की लेकिन उसका कहीं कुछ पता नहीं चला।

हनुमान मंदिर में गणेश चतुर्थी महोत्सव 27 को

हिसार। हरियाणा कुरुक्षेत्र सनातन धर्म मंदिर ट्रस्ट, नागोरी गेट द्वारा गणेश चतुर्थी महोत्सव 27 अगस्त को सायं 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक सनातन धर्म हनुमान मंदिर,नागोरी गेट के प्रांगण में बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा।
महोत्सव प्रबंधक रामकुमार गोयल व धर्मपाल गोयल ने बताया कि नगर की सभी संकीर्तन मंडलियां व भजन गायक गणेशजी का गुणगान करेंगे। उन्होंने नगर वासियों से अनुरोध किया है कि गणेश चतुर्थी महोत्सव में बढ़-चढक़र भाग लेकर अक्षय पुण्य की प्राप्ति करें।

सेक्टर 16-17 श्मशान भूमि में किया पौधरोपण

हिसार। हिसार रोडीज़ की ओर से रविवार को सेक्टर 16-17 स्थित श्मशान भूमि परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस मौके पर क्लब सदस्य राधेश्याम, दिनेश यादव, घनश्याम, गुरप्रीत सिंह, अश्विन जांगड़ा, गुरपिंदर सिंह, डॉ. अरुण कुमार अग्रवाल, प्रदीप और सावन मौजूद रहे।
अभियान के तहत 100 से अधिक पौधों को लगाया गया। डॉ. अरुण कुमार अग्रवाल ने बताया कि पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल के लिए सभी सदस्यों ने विशेष संकल्प लिया है। उनका कहना था कि शहर की हरियाली और स्वच्छ वातावरण के लिए ऐसे प्रयास लगातार किए जाने जरूरी हैं। हिसार रोडीज़ के सदस्यों ने कहा कि संस्था समय-समय पर साइक्लिंग के साथ-साथ सामाजिक और पर्यावरणीय गतिविधियों में भी सक्रिय रहती है।

आर्ट ऑफ लिविंग में साधकों ने किया अभ्यास

हिसार। आर्ट ऑफ लिविंग शाखा की ओर से साप्ताहिक फॉलो अप का आयोजन भारत माता मंदिर एवं हैप्पीनेस सेंटर, सेक्टर-14, पार्ट- 2 में किया गया जिसका संचालन प्रमोद कुमार एवं परीक्षित आर्य ने किया। स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर नीरज गुप्ता ने बताया कि साप्ताहिक फॉलो अप में साधकों ने योग, प्राणायाम, ध्यान एंव गुरुदेव के पावन वाणी में सुदर्शन क्रिया का अभ्यास किया। उन्होंने बताया कि फॉलो अप में साधक जिन्होंने हैपीनेस कार्यक्रम किया है, उसमें सीखी गयी तकनीकों को तरोताजा करते है। अपनी दैनिक साधना में टिके रहने के लिये प्रेरणा पाने का फॉलो अप केन्द्र एक श्रेष्ठ प्रेरणा स्थल है।

स्टेडियम टेकओवर नहीं होने से बैजलपुर में नहीं गूंजेगी हॉकी की गूंज

स्टेट हॉकी चैंपियनशिप रद करने की सिफारिश 1242 खिलाड़ियों का सपना अधर में लटका

■ 7 करोड़ की लागत से तैयार किया गया स्टेडियम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

भूना। बैजलपुर गांव स्थित अत्याधुनिक 3डी ब्लू एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम पर लगा ताला, बाहर खड़े हॉकी खिलाड़ी

बैजलपुर गांव स्थित अत्याधुनिक 3डी ब्लू एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में 8 सितंबर को प्रस्तावित अंडर-14, 17 व 19 आयु वर्ग की स्कूली स्टेट हॉकी चैंपियनशिप अब रद कर दी गई है। शिक्षा विभाग ने खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग के डायरेक्टर को पत्र लिखकर इसकी सिफारिश की है। कारण साफ है,स्टेडियम पर ताले लगे हुए हैं और टेकओवर की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, 7 करोड़ की लागत से गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना के सामाजिक सरोकार विंग की निर्माण एजेंसी द्वारा यह स्टेडियम तैयार किया गया है। चार एकड़ में फैला यह स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिसमें 3डी ब्लू एस्ट्रोटर्फ, ऑटोमैटिक सप्रिंकलर सिस्टम, दर्शकों के लिए बैठने की व्यवस्था, खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम, शौचालय और सुरक्षा के पूरे इंतजाम हैं। लेकिन अब तक खेल विभाग द्वारा इसे टेकओवर नहीं किया गया है। जिला सहायक शिक्षा खेल अधिकारी अनूप सिंह ने बताया कि चैंपियनशिप में हरियाणा के 22 जिलों के अलावा स्पोर्ट्स राई की टीमें भाग लेने वाली थीं। खिलाड़ियों और कोचों ने महीनों तैयारी की थी, लेकिन अब मैदान पर ताले लटक रहे हैं। जिला खेल अधिकारी विष्णु दास और निर्माण एजेंसी कई बार पत्राचार कर चुके हैं, लेकिन विभाग की उदासीनता के कारण स्टेडियम का उद्घाटन अटका हुआ है। स्थानीय कोच रण सिंह ओला ने कहा कि जब स्टेडियम तैयार है तो खिलाड़ियों को अभ्यास से वंचित करना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि तुरंत हस्तक्षेप कर स्टेडियम को चालू करवाया जाए। अब देखना यह होगा कि क्या सरकार और खेल विभाग समय रहते हरकत में आते हैं या 1242 खिलाड़ियों का सपना कागजों में ही दम तोड़ देगा। मुख्य अभियंता हृदयेश कुमार निगोतिया ने कहा कि स्टेडियम पूरी तरह तैयार है और खिलाड़ियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए खेल विभाग को इसे तुरंत टेकओवर करना चाहिए।

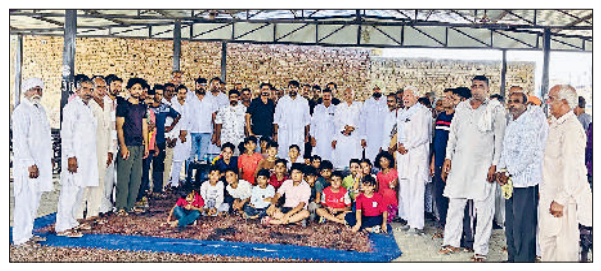

रानियां। ग्रामीणों को संबोधित करते अर्जुन चौटाला। *फोटो : हरिभूमि*

चौधरी देवीलाल जयंती को बनाएं ऐतिहासिक : अर्जुन चौटाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रानियां

■ दो दिवसीय जनसंपर्क अभियान के तहत ग्रामीणों को किया संबोधित

रानियां के विधायक अर्जुन चौटाला ने कहा कि हरियाणा का विकास सही मायने में केवल इनेलो ही कर सकती है क्योंकि इनेलो की नीतियां व कार्य जनकल्याण से जुड़े हैं और लक्ष्य तथा उद्देश्य भी प्रदेश व प्रदेशवासियों का चहुंमुखी विकास है। अर्जुन चौटाला रविवार को अपने हलके में दो दिवसीय जनसंपर्क अभियान के तहत ढाणी सुखचैन, मल्लेवाला, नेजाडेला, बुर्जभंगु, बनसुधार, चामल, ढाणी ख्योवाली, ढाणी-400, झोरड़नाली, फतेहपुरिया नियामतखां, बुखारा खेड़ा, कर्मगढ़, भागसर, खाई शेरगढ़, मेहनाखेड़ा, कुस्सर, नाईवाला सहित अन्य गांवों में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका मौके पर ही समाधान किया और जिला परिषद सिरसा व अपने विधायक कोटे से करवाए गए अनेक विकास कार्यों का उद्घाटन भी किया। इस मौके पर उन्होंने सभी उपस्थितजनों से आगामी 25 सितंबर को रोहतक में आयोजित होने वाली चौधरी देवीलाल जयंती कार्यक्रम का निमंत्रण देते हुए कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों से संपर्क कर इस जयंती कार्यक्रम में शिरकत करने का निमंत्रण दें। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि इस जयंती कार्यक्रम में लाखों की संख्या में हरियाणावासी जननायक चौधरी देवीलाल को नमन करेंगे और उन द्वारा हरियाणा और भारत के विकास में दिए गए योगदान को याद करेंगे।

शिक्षा मंत्री से मिले यूनियन के सदस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

■ प्रमोशन से पूर्व राजकीय बहुतकनीकी शिक्षा समितियों का राजकीय बहुतकनीकी में विलय का काम पूरा करने की मांग

राजकीय बहुतकनीकी यूनियन के प्रधान एवं सदस्य तकनीकी शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा से राजकीय बहुतकनीकी शिक्षा समिति और राजकीय बहुतकनीकी के विलय के संदर्भ में मिले। राजकीय बहुतकनीकी यूनियन के प्रधान नरसिंह परमार ने मंत्री को बताया कि राजकीय बहुतकनीकी शिक्षा समिति और राजकीय बहुतकनीकी के विलय को लेकर दोनों यूनियनों द्वारा लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। इन दोनों के विलय में जो मुख्य अड़चन राजकीय बहुतकनीकी शिक्षा समितियों के स्टाफ की जो प्रमोशन नियमों वा मापदंडों को ताक पर रखकर की जा रही है, उसे रोका जाए। उन्होंने मंत्री से मांग की कि प्रमोशन से पूर्व राजकीय बहुतकनीकी शिक्षा समितियों का राजकीय बहुतकनीकी में विलय का काम पूरा किया जाए। उन्होंने बताया कि बहुतकनीकी विलय का कार्य विभाग में पिछले आठ महीनों से लंबित पड़ा है, जिस कारण से राजकीय बहुतकनीकी शिक्षा समितियों के स्टाफ की ट्रांसफर रुकी हुई है और जो सरप्लस स्टाफ है, वो जरूरत अनुसार अन्य कॉलेज में नहीं जा सकता है। प्रधान ने बताया कि निदेशालय में भी दो विभाग अलग-अलग कैडर के बना रखे हैं, जिसमें एक है राजकीय बहुतकनीकी कैडर और राजकीय बहुतकनीकी शिक्षा समिति कैडर, जिसके कारण अधिक स्टाफ की जरूरत पड़ती है। उन्होंने बताया कि विलय होने से जहां निदेशालय में स्टाफ की कम जरूरत पड़ेगी, वहीं ऑनलाइन ट्रांसफर भी खुल जाएगी और सरप्लस स्टाफ को कहीं भी शिफ्ट किया जा सकता है। समस्या पर तुरंत संज्ञान लेते हुए शिक्षा मंत्री ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रमोशन संबंधित विसंगतियों को दूर करने उपरांत व मंत्री की अध्यक्षता में दोनों पक्षों को सुनने उपरांत ही प्रमोशन संबंधित कार्य किया जाए।

सीएमके कॉलेज ने युवा मैराथन में की भागीदारी

■ नशा युवाओं की ताकत छीनकर उनके सपनों को कर देता अधूरा : डा. रंजना ग्रोवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। यूथ मैराथन में भाग लेने पहुंची सीएमके कालेज के विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिरसा ने मंडी डबवाली में आयोजित युवा मैराथन में बढ़-चढकर भाग लिया। इस नशा मुक्त हरियाणा की मुहिम में कॉलेज के समस्त सदस्यों ने भरपूर ऊर्जा का परिचय देते हुए अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। सीएमके प्राचार्य डा. रंजना ग्रोवर ने इस अवसर पर कहा कि यह मैराथन केवल दौड़ नहीं हैए बल्कि जीवन की उस दौड़ का प्रतीक है जिसमें हमें बुराई पर अच्छाई की जीत दर्ज करनी है। नशा युवाओं की ताक़त छीन लेता है और उनके सपनों को अधूरा कर देता है। हम सबको यह प्रण लेना होगा कि अपने समाज से नशे को पूरी तरह मिटाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं के पास अपार शक्ति और क्षमता हैए अगर वे संकल्प लें तो हरियाणा ही नहींए पूरा देश नशामुक्त हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि महाविद्यालय परिवार का हर सदस्य इस मुहिम में अपना योगदान देगा और अपने-अपने स्तर पर लोगों को जागरूक करने का प्रयास करेगा। मैराथन के दौरान महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था। इस दौरान अंशु उप्पल, बबीता मल्होत्रा, डा. अनु कथूरिया, संगीता नंदा, डा. आरती बंसल, डा. मंजू देवी, अमृत सिंह, डा. वीरबाला शर्मा, राजेश कुमार, डा. सरबन कम्बोज, प्रेक्षा, नेहा, निशा, नीलम, सोनिया, दीपिका, रोबिन, जितेन्द्र, सुरेन्द्र, संजय विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रदर्शन को लेकर भवन निर्माण कामगार यूनियन ने गांवों में चलाया अभियान

श्रम कल्याण बोर्ड की योजनाओं पर लगी रोक हटाने को लेकर 29 को होगा प्रदर्शन

■ उपायुक्त को श्रम मंत्री के नाम मांग पत्र सौंपा जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांवों में मजदूरों की सभा को संबोधित करते यूनियन नेता।

श्रम कल्याण बोर्ड की कल्याणकारी योजनाओं पर लगी रोक को हटाने व साइट को दोबारा चालू करवाने की मांग को लेकर भवन निर्माण कामगार यूनियन के आह्वान पर जिलेभर के निर्माण मजदूरों द्वारा 29 अगस्त को फतेहाबाद में उपायुक्त कार्यालय पर जिला स्तरीय प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन के बाद उपायुक्त को श्रम मंत्री के नाम मांग पत्र भी सौंपा जाएगा।
प्रदर्शन को लेकर यूनियन पदाधिकारियों द्वारा गांवों में जाकर मजदूरों को प्रदर्शन में भाग लेने का निमंत्रण दिया जा रहा है। भवन निर्माण कामगार यूनियन के जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा व ब्लाक सचिव मुकेश डूल्ट ने बताया कि डीसी कार्यालय पर धरने की तैयारी को लेकर गांव जांडली कला, जांडली खुर्द, डुल्ट, ढाणी डूल्ट, टिब्बी, धोलू आदि गांवों में मीटिंग की गई। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 10 जुलाई से फर्जीवाड़े के नाम पर श्रम कल्याणकारी योजनाओं पर रोक लगा दी है जो कि सरासर गलत है। रोक लगाने के साथ सरकार ने जांच के नाम पर कमेटी बनाने की बात भी कही थी।
योजनाओं पर रोक के विरोध में यूनियन ने प्रदेशभर में आंदोलन करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि कल्याण बोर्ड के तहत लगभग 10 लाख मजदूर पंजीकृत हैं जिसमें 6 लाख मजदूर के करीब ऑफलाइन तथा 4 लाख ऑनलाइन पंजीकृत हुए हैं। सरकार के आदेश अनुसार विभाग द्वारा सभी निर्माण मजदूरों का पंजीकरण स्थाई तौर पर ब्लॉक कर दिए गए हैं। कारण यह बताया गया कि फर्जी तरीके से 90 दिन का वेरिफिकेशन की गई है जबकि 90 दिन की वेरिफिकेशन में कोई मजदूर का कसूर नहीं है। सरकार द्वारा 2018 में यूनियन का अधिकार छीनकर ग्राम पंचायत सचिव, पटवारी, लेबर अधिकारी व अन्य को दे दिया गया था। इनके द्वारा किए गए भ्रष्टाचार का खामियाजा मजदूरों को भुगतना पड़ रहा है।
यूनियन नेताओं ने मांग की कि किसी भी सूरत में मजदूरों को लाभ न रोका जाए। बोर्ड में कर्मचारी व अधिकारी भर्ती करके बोर्ड को स्वतंत्रता का ढांचा खड़ा किया जाए। 90 दिन का वेरिफिकेशन का अधिकार यूनियन को दिया जाए। फर्जीवाड़ा करने वाले अधिकारियों का कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए। बेमानी आपकी लगाकर रद्द किए गए लाभ को तुरंत बहाल करके मजदूरों को लाभ दिया जाए। फैमिली आईडी के नाम पर मजदूरों को परेशान करना बंद करें। कैंप लगाकर प्रवासी मजदूर सहित मजदूरों का पंजीकरण किया जाए।

ये रहे मौजूद

मीटिंग में मनपूल सिंह बलराज सिंह जांडली कलां, पारस, गुलाब, जगदीश जांडली खुर्द, सुरजीत डुल्ट, प्रमोद ढाणी डुल्ट, ब्रह्म कुमार, रामलाल बुआन, सुरजीत, मान सिंह टिब्बी, सुभाष, ओमप्रकाश, धर्मवीर धोलू आदि शामिल रहे।

सिरसा। प्रतियोगिता में विजेता रहे प्रतिभागी। *फोटो : हरिभूमि*

समूह गान व संस्कृत गायन स्पर्धा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

भारत विकास परिषद शाखा शहीद भगत सिंह द्वारा आनंद सरोवर में समूह गान एवं संस्कृत गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने अपने अपने समूह गान व संस्कृत गीत प्रस्तुत किए। समूह गान प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय भक्ति की भावना जागृत करना एवं संस्कारों जगाना है जिसकी आज के परिवेश में अति आवश्यकता है। इस प्रतियोगिता में डीपीएस स्कूल प्रथम, श्रीराम न्यू सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वितीय व बी आर ग्लोबल स्कूल तृतीय स्थान पर रहा। इस अवसर पर शाखा संरक्षक वीके जग्गा, श्यामलाल सचदेवा एडवोकेट, राजकुमार चावला, सुनील कुमार, राम प्रकाश शर्मा, डॉ. एचबी सलूजा, सुरेश शर्मा, अमित शर्मा, तरुण गुप्ता, डॉ. अशोक मेहता, आरसी चावला, कपिल गनेरीवाला आदि मौजूद रहे।

कागदाना में नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

सिरसा। विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करते मदन गोपाल। *फोटो : हरिभूमि*

राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय कागदाना में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नोडल अधिकारी अजय सिंह ने छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक होता है। यदि विद्यार्थियों को प्रारंभ से ही इस विषय में सही जानकारी दी जाए तो एक स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज की स्थापना संभव है। कार्यक्रम में कक्षा 6 से 10 तक की छात्राओं ने पोस्टर मेकिंग, पेंटिंग, निबंध लेखन, स्लोगन लेखन, कविता पाठन और भाषण जैसी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की विज्ञान अध्यापिका राखी यादव को विद्यालय को 5100 रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गई, जो शैक्षणिक विकास के लिए उपयोग की जाएगी। इसके अतिरिक्त हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के मास्टर ट्रेनर मदन गोपाल की ओर से चलाए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को स्काउट-गाइड प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजेश, सुनील बेनिवाल, अजय नेहरा, श्याम सुंदर, राजीव बेनीवाल, मोहन बाजिया, कृष्ण कुमार, सुरेंद्र, शीमा देवी, सुमन आदि मौजूद रहे।

बैठक राष्ट्रीय कार्यकारिणी के विभिन्न पदों एवं प्रकल्प प्रभारियों की नियुक्ति की : मेजर

बिश्नोई युवा संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक संपन्न, भूना के धीरज धारनियां बने प्रदेश महासचिव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। बिश्नोई युवा संगठन के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए।

अखिल भारतीय बिश्नोई युवा संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक लालासर स्थित साथरी धाम पर रविवार को आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष राजू कांवा ने की, जबकि राष्ट्रीय संरक्षक राजीव गोदारा, किरण प्रवीण धारणियां तथा साथरी धाम के स्वामी केशवानंद विशेष रूप से मौजूद रहे।
बैठक की जानकारी देते हुए संगठन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व प्रभारी नरषोत्तम मेजर ने बताया कि इस दौरान राष्ट्रीय कार्यकारिणी के विभिन्न पदों एवं प्रकल्प प्रभारियों की नियुक्ति की गई। साथ ही कई राज्यों में प्रदेशाध्यक्ष व महासचिव मनोनीत किए गए। हरियाणा प्रदेश की जिम्मेदारी महलसरा निवासी और शहीद भगत सिंह युवा मंडल सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े रहे राजीव पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सौंपी गई। फतेहाबाद के भूना निवासी और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे धीरज धारणियां को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर भी कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई। हरियाणा के गांव कालवास के पूर्व सरपंच संजय लांबा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मंगाली निवासी प्रवीण पूनिया को कोषाध्यक्ष, आदमपुर निवासी विनोद धतरवाल को राष्ट्रीय सचिव तथा हिसार निवासी रामनिवास बेनीवाल को प्रवक्ता नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे गुरु जंभेश्वर भगवान के सिद्धांतों, समाज की परंपराओं और संगठन के संस्थापक स्व. प्रवीण धारणियां के आदर्शों पर चलते हुए समाज व देशहित में कार्य करेंगे।

ये रहे मौजूद

बैठक में मध्यप्रदेश से सुहागमाल पंवार, लोकेश सहारण, जयपुर से भजनलाल मांझू, सुधीर कड़वासरा, गौरव बिश्नोई, राजेश पवार, सुरेश गोदारा बॉक्सर, अनु बिश्नोई, मुकेश डूडी, हर्षित पूनिया सहित देशभर से बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बाबा रामदेव की कथा में भजनों से भक्त मंत्रमुग्ध

भट्टूकलां। गांव किरढ़ान में बाबा रामदेव चेरिटेबल ट्रस्ट व ग्राम निवासियों की ओर से बाबा रामदेव जी महाराज की संगीतमय पावन कथा का आयोजन किया गया। इस कथा में कथा व्यास भगत जोगेंद्र ने अपनी वाणी से भगतजनों को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पार्षद गौरव शर्मा व पूर्व पार्षद सतपाल शर्मा ने भाग लिया। इस मौके पर गौरव शर्मा ने रामदेव मंदिर के शेड के निर्माण के लिए पांच लाख रुपए देने की घोषणा की। एक दिन पूर्व जिला पार्षद चेयरपर्सन सुमन खीचड़ ने भी मंदिर में शेड निर्माण के लिए 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। इस अवसर पर कमेटी के प्रधान कालवा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। इन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य गांव में धार्मिक, सामाजिक कार्य करवाना, नशे केखिलाफ विशेष अभियान चला कर युवाओं को जागरूक करना है। इस अवसर पर एडवोकेट रोहताश परिहार, पूर्व सरपंच उग्रसेन मेहरा, पवन नटवाडिया, दीपक चौधरी, वेदप्रकाश, सरपंच राजेश भींचर, विजय, पोलाराम सहित अन्य मौजूद रहे।

अवशेष प्रबंधन के प्रति किया जागरूक

भूना। सीआईआई फाउंडेशन और एचडीएफसी बैंक के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, लाधुवास में फसल अवशेष एवं पराली प्रबंधन विषय पर पेंटिंग, स्लोगन और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 'क्लीनर एयर, बेटर लाइफ' परियोजना के तहत आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य 'शून्य जलन' (जीरो बर्निंग) को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का मंच संचालन नानक चंद ने किया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपनी रचनात्मकता दिखाई। प्रतियोगिता के बाद विद्यार्थियों के लिए खो-खो व रस्साकसी जैसी खेल गतिविधियां भी आयोजित की गई, जिनमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय के प्राचार्य हरविंदर कुमार बागड़ी ने मुख्य अतिथि सहित सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों को स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने का संदेश दिया।

भट्टूकलां। कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित करते हुए अतिथिगण।

110 कर्मचारियों को मिला प्रशिक्षण प्रमाण पत्र

भट्टूकलां। हरियाणा नॉलेज कॉरपोरेशन लिमिटेड कम्प्यूटर सेंटर, भट्टू मंडी में आज हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के कर्मचारियों के लिए आयोजित कौशल उन्नयन कार्यक्रम के सर्टिफिकेट वितरण समारोह का ल आयोजन किया गया। इस विशेष समारोह में 110 प्रशिक्षुओं को उनकी ट्रेनिंग पूर्ण करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। समारोह में एचकेसीएल के क्षेत्रीय प्रबंधक जितेंद्र नेगी, एकाउंट मैनेजर राहुल शर्मा तथा भट्टू मंडी सेंटर के प्रमुख एवं संचालक प्रदीन खान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को बधाई देते हुए, सतत कौशल विकास और निरंतर सीखने के महत्व पर बल दिया। मुख्य अतिथि जितेंद्र नेगी ने कहा, वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में कौशल उन्नयन ही तरक्की का आधार है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं की दक्षता बढ़ाने में सहायक हैं।

कपास पर आयात शुल्क हटाना किसानों के हितों पर सीधा हमला

रतिया। भारत सरकार द्वारा कपास पर लगे 11 प्रतिशत आयात शुल्क को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का फैसला देशभर के कपास किसानों पर सीधा हमला है। इस निर्णय से कपास की घरेलू कीमतों पर बुरा असर पड़ेगा और विदेशी कपास सस्ती दरों पर आने लगेगी। ऑल इंडिया किसान महासभा, हरियाणा के सचिव सुखविंदर सिंह रतिया ने कहा कि सरकार इस फैसले को जनहित बताकर किसानों को गुमराह कर रही है, जबकि हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। कपास किसानों को आज भी एमएसपी का उचित दाम नहीं मिल रहा। भारत सरकार द्वारा कपास का एमएसपी 7618 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है, जबकि सी2+50 प्रतिशत फार्मूले के आधार पर यह 10,065 रुपये होना चाहिए। यानी किसानों को वास्तविक लागत से 2,365 रुपये कम दाम मिल रहा है। देश में कपास की खेती का क्षेत्रफल 120.60 लाख हेक्टेयर है, जोकि विश्व के कुल क्षेत्रफल का लगभग 36 प्रतिशत है। हरियाणा में कपास का क्षेत्रफल लगभग 4.76 लाख हेक्टेयर है।

भूना में 'गरीब बेटी की पुकार' व्हाट्सएप ग्रुप बना मिसाल

प्रतिमा रानी व मुकेश दुवां दे रही जरूरतमंदों को नया सहारा

दलबीर सिंह ⏭ भूना

समाज में जब भी बदलाव की जरूरत होती है, तो महिलाएं कभी पीछे नहीं रहतीं। कभी घूंघट और चूल्हा-चौका तक सीमित मानी जाने वाली महिलाएं आज समाज की सोच बदलने में भी अहम भूमिका निभा रही हैं। बैजलपुर गांव की दो समाजसेविका बहु प्रतिमा रानी (32) और मुकेश दुवां (38) इसकी मिसाल हैं।

दोनों मिलकर 'गरीब बेटी की पुकार' नाम से बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए अब तक कई जरूरतमंद परिवारों की मदद कर चुकी हैं। जन स्वास्थ्य विभाग में जलघर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत प्रतिमा रानी और मुकेश दुवां ने महिलाओं और बच्चों की मदद के लिए एक नई राह बनाई है। ये दोनों न सिर्फ जूते-कपड़े और दवाइयों जैसी जरूरतों को पूरा करती हैं, बल्कि गरीब कन्याओं की शादी में घरेलू सामान और आर्थिक सहयोग भी करती हैं। इनकी यही निस्वार्थ सेवा अब पूरे क्षेत्र में सराहना का विषय बनी हुई है। प्रतिमा रानी के पति ईश्वर सिंह ओला भी इस नेक कार्य में कंधे से कंधा मिलाकर साथ दे रहे हैं। वे अब तक उन तीन बेटियों की शादी में 'धर्म भाई' बनकर भात भर चुके हैं, जिनके सगे भाई नहीं थे। ऐसे में यह दंपति समाज में एक आदर्श के रूप में उभरा है, जो हर जरूरतमंद के लिए एक सहारा बन चुका है। इस संगठन की सबसे बड़ी ताकत सोशल मीडिया है। प्रतिमा और मुकेश फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर मदद की अपील करती हैं और देखते ही देखते लोगों का सहयोग आना शुरू हो जाता है। छोटे से गांव में बैठकर ये महिलाएं बड़े-बड़े बदलाव ला रही हैं।

बैजलपुर की दो बहुओं ने दिखाया समाज सेवा का सच्चा रास्ता

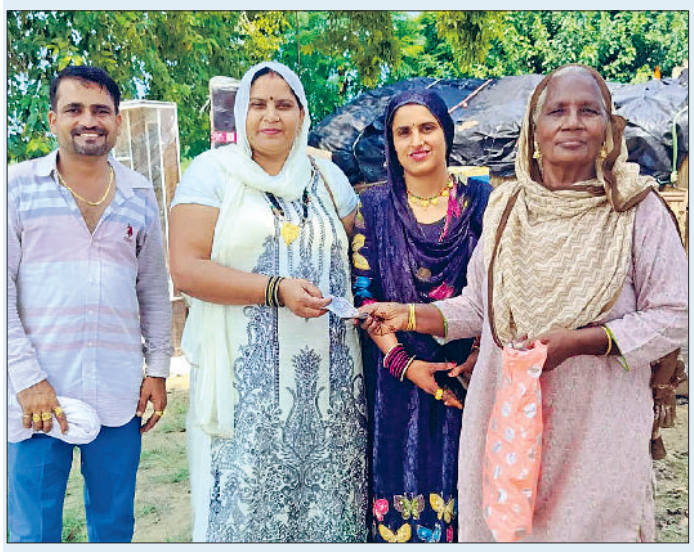

एक बेटी की मौत ने दी नई सोच

इस पूरे आंदोलन की शुरुआत एक दर्दनाक घटना से हुई। बैजलपुर गांव की एक लड़की गंभीर बीमारी से जूझ रही थी, लेकिन समय पर इलाज न होने की वजह से उसकी जान चली गई। इलाज में करीब 20 लाख रुपये का खर्च आता, लेकिन आर्थिक तंगी ने परिवार को बेबस कर दिया। जब गांव को इस बात की जानकारी हुई, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उस मासूम की मौत ने समाज को झकझोर दिया। यहीं से जन्म हुआ 'गरीब बेटी की पुकार' संगठन का। प्रतिमा रानी और मुकेश दुवां ने इस दर्द को ताकत में बदला और गांव की बेटियों के लिए सुरक्षा कवच बन गई। अब यह संगठन पूरे क्षेत्र में जरूरतमंदों की आवाज बन चुका है। बैजलपुर गांव की ये दोनों महिलाएं उन सभी के लिए प्रेरणा हैं, जो समाज को बदलना चाहते हैं। बिना किसी स्वार्थ के काम करना, जरूरतमंद की तकलीफ को समझना और दिल से मदद करना- यही पहचान बन चुकी है प्रतिमा रानी और मुकेश दुवां की। इनकी कोशिशें बताती हैं कि सच्ची सेवा के लिए बड़े मंच की नहीं, बल्कि बड़े दिल की जरूरत होती है।

लोग कहने लगे हैं 'जहां बेटी रोए, वहां ये पहुंचें'

अब गांव-गांव में लोग इन दोनों को याद करते हैं। जहां किसी को मदद चाहिए होती है, वहां सबसे पहले प्रतिमा और मुकेश का नाम लिया जाता है। बैजलपुर निवासी दोनों समाज सेविकाएं प्रतिमा रानी व मुकेश दुवां मानना है कि समाज की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है और बेटियों की मदद करना सबसे बड़ा पुण्य।

तेज बरसात से निहाल हुए लोग, दो घंटे में बरसा 107 एमएमए पानी

सावन की कसर भादो में पूरी, 20 दिन बाद फतेहाबाद में झमाझम बरसे मेघा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। बरसात के बाद सिरसा रोड पर खड़ा पानी, थाना रोड पर भरा बरसाती पानी व बरसात से जलमग्न हुआ जीटी रोड। *फोटो : हरिभूमि*

पिछले 20 दिनों से उमस और तपिश से तरबतर हो रहे लोगों को रविवार को राहत मिली। सावन के भूले बादल भादो में बरसे तो लोगों खासकर किसानों के चेहरे पर रौनक लौट आई। लगातार दो घंटे हुई झमाझम बरसात हुई। कुलां में आज 107 एमएम तो फतेहाबाद में 61 एमएम पानी बरसा। दोपहर को अचानक मौसम ने करवट ली और झमाझम बरसात शुरू हो गई। दो घंटे हुई बरसात के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। जिले में एक एमएम से 107 एमएम तक बरसात दर्ज की गई। यह बरसात फसलों के लिए सोना मानी जा रही है। इस बरसात से लोगों के साथ बिजली निगम व 33 केवी सब स्टेशनों की सांस में सांस आई है। दरअसल लंबे समय से ट्रांसफार्मर ओवरलोड थे। भीषण गर्मी और ओवरलोड से अब निगम को भी राहत मिली हैं। रविवार दोपहर को अचानक मौसम बदला तो जमकर बारिश हुई। पिछले 20 दिनों से अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस चल रहा था। बरसात के बाद तापमान में 5 डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई।

धान की फसल के लिए संजीवनी साबित हुई बरसात

यह बारिश धान उत्पादक किसानों के लिए संजीवनी साबित हुई है। बरसात होने से अन्नदाताओं के चेहरे खुशी से खिल उठे हैं। इससे किसानों की खुशी स्वभाविक भी है, क्योंकि धान की फसल को पानी की अधिक आवश्यकता होती है। किसानों का कहना है कि धान की फसल के लिए इन दिनों में बारिश होने की भी अत्यंत जरूरत होती है। इस बारिश से धान की फसल को फायदा पहुंचा है। अभी तक वर्षा के अभाव में किसानों को इन दिनों अपनी धान की फसल के लिए पानी की समस्या हो रही थी। ऐसे में इस बारिश से किसानों को काफी लाभ हुआ है। इस बरसात से किसानों की खेतों में अन्य फसलों को भी फायदा पहुंचेगा। किसान कुलदीप सिंह, राजेंद्र सिंह, विजेंद्र, नछतर, सतबीर आदि की मानें तो इन दिनों उन्हें खेतों में अपेक्षाकृत कम

मुख्य सड़कों पर भरा 3-3 फुट पानी

राहत के साथ ही यह बारिश शहरवासियों के लिए आफत भी लेकर आई। इस बारिश ने पानी निकासी के दावों की पोल खोल दी है। मानसून की पहली बारिश से ही शहर की सडकें जलमग्न हो गई। यहां तक कि शहर के निचले इलाकों में रह रहे लोगो के घरों में बरसाती पानी घुसने से 3-3 फुट तक पानी जमा हो गया। बरसात के कारण शहर के जवाहर चौक, थाना रोड, धर्मशाला रोड, बाल भवन के बाहर, नेशनल हाइवे, भट्टू रोड, बीघड़ रोड, सिरसा रोड, सरकारी अस्पताल के बाहर, तुलसीदास चौक, ग्रीन पार्क सहित अनेक कालोनियों में कई-कई फुट तक पानी भर गया। कई जगह बरसात का पानी घरों में भी जा घुसा। हालांकि आज बरसात के बावजूद शहर के अधिकतर इलाकों में बिजली व्यवस्था बहाल रही जिस कारण लोगों को राहत मिली।

तुलसीदास चौक पर घंटों में ही निकला पानी

बरसात शुरू होते ही जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा तुलसीदास चौक पर लगाई गई मोटरों को चालू कर दिया गया। यहां से बड़ी मोटरों द्वारा पानी को अंडरग्राऊंड डाली गई पाइपों के माध्यम से चिल्ली क्षेत्र में बनाए गए एसटीपी में डाला गया। जहां से यह पानी 13 किलोमीटर दूर पाइप लाइन से रंगोई में निकाला गया। जिस कारण कुछ ही घंटों में सडकों से पानी पूरी तरह निकल गया और यातायात बहाल हुआ।

जिले में हुई बरसात

⏭ फतेहाबाद	61 एमएम
⏭ जाखल	15 एमएम
⏭ कुलां	107 एमएम
⏭ टोहाना	7 एमएम
⏭ भट्टूकलां	16 एमएम
⏭ भूना	01 एमएम

25 पंप सेट लगाए

रविवार को फतेहाबाद में दो घंटे लगातार 61 एमएम बरसात हुई। बरसात के कारण सडकों पर खड़े पानी की बारिश रूकने के दो घंटे बाद तक निकासी हो गई थी। पानी निकासी के लिए विभाग ने तुलसीदास चौक के अलावा 25 पम्प सैट लगा रखे थे जिस कारण दो घंटे में पानी निकाल दिया गया।

-सतपाल रोज, एसडीओ, जनस्वास्थ्य विभाग

हरिभोजन संस्थान में 300 लोगों को करवाया भोजन

सिरसा। लायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा स्थानीय हरिभोजन संस्थान में लंगर भंडारा लगाया गया। क्लब के सचिव क्लब के सचिव लायन भारतभूषण ऐलावादी ने बताया कि यह लंगर भंडारा क्लब के सदस्य लायन बलराम गर्ग के सौजन्य से लगाया गया। इस लंगर भंडारा में लगभग 300 लोगों ने भोजन ग्रहण किया। क्लब के अध्यक्ष लायन प्रदीप सिंगला ने बताया कि लायंस क्लब लोक्षित ने जनपद 321 ए-3 द्वारा अपनाए गए हरियाली संकल्प, स्वास्थ्य लक्ष्य, स्वस्थ बच्चे, जीते जी रक्तदान, जाते जाते नेत्रदान व अन्नपूर्णा लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रयासरत है। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष लायन अशोक धवन, पूर्व अध्यक्ष लायन प्रवीण महीपाल, वंश गर्ग, पियुष गर्ग, ऋषि ऐलावादी, दीदार सिंह व अन्य मौजूद रहै।

रेडक्रॉस भवन का ट्यूबवेल खराब, पेयजल आपूर्ति ठप

सिरसा। शहर के रानियां बाजार स्थित रेडक्रॉस भवन में लगे ट्यूबवेल की खराबी के चलते वार्डवासियों के समक्ष पिछले दो दिनों से पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व पार्षद नीतू सोनी ने बताया कि ट्यूबवेल खराब होने से धाना कटली वाली गली, गली बावड़ी वाली, गली खाईवाली सहित अन्य गलियों में पेयजल व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई है जिसके चलते लोगों को पानी के घोर संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि ट्यूबवेल को शीघ्र चालू किया जाए ताकि लोगों को सुचारू पानी की आपूर्ति हो सके।

जाखनदादी वासियों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

रतिया। विधायक जरनैल सिंह को ज्ञापन देते हुए गांव वासी।

गांव जाखन दादी के दर्जनों निवासियों ने रविवार को विधायक जरनैल सिंह को ज्ञापन देकर जमीन बचाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वह ढाणी जाखन दादी रतिया तहसील रतिया के निवासी है और अब नगर पालिका द्वारा उन्हें जमीन खाली करवाने के नोटिस जारी किए गए है। नोटिस में एसडीएम ने 6 महीने का समय दिया है जिसमें से 2 महीने गुजर गए है। 11 अगस्त को सभी ढाणी निवासी सीएम के पास भी जा चुके है पर कोई भी हल नहीं हुआ। इसके बाद से ढाणी वासियों में डर का माहोल बना हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि वह मजदूर वर्ग से सम्बन्ध रखते हैं और पिछले 30-35 सालों से यहां अपने-अपने घर बनाएं हुए हैं। यहां लगभग 150 परिवार हैं। जब उन्होंने अपने मकान बनाए थे, उस समय यह भूमि पंचायत ढाणी जाखन दादी की मलकीयत थी व ग्राम पंचायत ने इस भूमि पर बसाया गया था। अब यह भूमि नगर पालिका की मलकीयत हो चुकी है।

पीएम के नेतृत्व में बनी देश की साख : बराला

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

टोहाना। कार्यक्रम में उपस्थित सांसद सुभाष बराला।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला रविवार को गांव डूल्ट में आयोजित हुई सनियाना मंडल की कार्यकारिणी बैठक में बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सांसद सुभाष बराला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सदैव सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर काम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 11 वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है। सरकार ने गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसानों की आय बढ़ाने और आधारभूत ढांचे के विस्तार करने सहित हर क्षेत्र में काम हो रहा है।

थानों में कर्मचारियों ने किया दो घंटे का स्वैच्छिक श्रमदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। थाने में पौधारोपण करते पुलिस कर्मचारी।

सेवा, सुरक्षा और सहयोग का नारा अब सिर्फ थानों की दीवारों पर नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत में झलक रहा है।

- **श्रमदान से साफ-सुथरे नजर आने लगे थाने**

फतेहाबाद जिले में पुलिस विभाग की एक नई पहल ने थानों और चौकियों की सूरत ही बदल दी है। अब ये स्थान महज कानूनी कार्रवाई के केंद्र नहीं, बल्कि आमजन के विश्वास और उम्मीदों का प्रतीक बनते जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन की अगुवाई में जिले के सभी पुलिसकर्मी हर रविवार सुबह दो घंटे का स्वैच्छिक श्रमदान कर रहे हैं। इस श्रमदान में थानों की सफाई से लेकर रंगाई-पुताई, वृक्षारोपण, रिकॉर्ड रूम की व्यवस्था, महिला सहायता कक्ष की साज-सज्जा और जनता कक्ष की मरम्मत जैसे काम पुलिसकर्मी खुद अपने हाथों से कर रहे हैं। इस अभियान ने न केवल थानों की भौतिक दशा को सुधारा है, बल्कि कार्यस्थल का माहौल भी अधिक सकारात्मक और जनहितैषी बना दिया है। अब थानों में आने वाले फरियादियों को न केवल साफ-सुथरा वातावरण मिलता है, बल्कि एक सहयोगी और संवेदनशील पुलिस भी। थानों और चौकियों की नियमित देखरेख के लिए प्रत्येक स्थान पर एक-एक केयरटेकर की नियुक्ति भी की गई है। इनकी निगरानी में इमारतों की रंग-रोगन, टूट-फूट की मरम्मत, पेयजल व्यवस्था और बैठने की सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। एसपी का कहना है कि, यह पहल केवल थानों का सौंदर्यीकरण नहीं है, बल्कि इसका असली मकसद पुलिस और जनता के बीच भरोसे की डोर को मजबूत करना है।

ऑनलाइन ठगी का शिकार होते ही तुरंत 1930 पर करें कॉल,

पुलिस की एडवाइजरी : फर्जी कॉल लिंक और लालच देने वाले मैसेज से हमेशा सावधान रहें

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

डिजिटल जमाने में जहां एक ओर तकनीक ने जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं दूसरी ओर साइबर ठग भी रोज नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को चूना लगाने में लगे हुए हैं। ऐसे में जरूरी है कि लोग खुद सतर्क रहें और जागरूक बनें। यही सबसे बड़ा बचाव का तरीका है। यह बात फतेहाबाद के पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने साइबर अपराधों को लेकर कही। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे किसी भी लालच या जल्दबाजी में आकर कोई ऑनलाइन लेन-देन न करें और सतर्कता को अपनी आदत बनाएं। एसपी जैन ने बताया कि साइबर अपराध से जुड़े मामलों में समय पर की गई शिकायत से ठगी गई रकम वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है। अगर किसी के साथ ऑनलाइन ठगी हो जाए तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या फिर पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साइबर अपराधी अब मोबाइल कॉल, व्हाट्सएप, सोशल मीडिया और ऑनलाइन शॉपिंग जैसे माध्यमों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। फर्जी लिंक भेजना, टैक्स रिफंड या चालान के नाम पर झूठे मैसेज देना, किसी अधिकारी की फोटो लगाकर पैसे मांगना जैसे हथकंडे आम हो गए हैं। एसपी सिद्धांत जैन ने साइबर ठगी से बचाव के लिए कुछ जरूरी टिप्स भी साझा किए। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान लिंक, फोटो, फाइल या ऐप पर क्लिक न करें। बैंक डिटेल, कार्ड नंबर, ओटीपी या सीवीवी किसी के साथ शेयर न करें। सोशल मीडिया पर किसी परिचित की फोटो लगाकर पैसे मांगे जाएं तो पहले फोन करके पुष्टि करें। घर बैठे पैसे कमाएं, जैसे ऑफर वाले मैसेज से दूर रहें।

एसपी की अपील : जागरूक बनें,

पुलिस अधीक्षक ने दो टूक कहा, साइबर ठग तभी सफल होते हैं जब हम लापरवाह होते हैं। सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने परिवार, रिश्तेदारों और मित्रों को भी इन बातों के बारे में जागरूक करें। ठगी के शिकार होते ही देर न करें, तुरंत 1930 पर कॉल करें। आपकी सतर्कता ही आपके पैसों की सुरक्षा है।

-सिद्धांत जैन एसपी, फतेहाबाद